उत्तराखंड में होम गार्ड के लिये ट्रांज़िट हॉस्टल

चर्चा में क्यों?

उत्तराखंड में **होम गार्ड विभाग** विशेष रूप से उधम सिंह नगर और अन्य प्रमुख ज़िलों में अपने **होम गार्ड** के लिये आवासीय सुविधा देने की तैयारी कर रहा है।

मुख्य बिंदु:

- आठ ज़िलों में **ट्रांज़िट हॉस्टल के निर्माण के लिये शासन से 13.50 करोड़ रुपए** की मंज़ूरी भी मिल गई है।
- चिह्नित ज़िले गढ़वाल और कुमाऊँ दोनों मंडलों में फैले हैं। हरिद्वार में सबसे **अधिक 50 बीघा भूमि पर** बनेगा ट्रांज़िट हॉस्टल।
- विभागीय सूत्रों से पता चला कि ऊधमसिंह नगर ज़िला मुख्यालय,**रुद्रपुर, नैनीताल और हरिद्वार समेत आठ ज़िलों के विभिन्न शहरों में छात्रावास निर्माण** के लिये **विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (DPR)** तैयार कर ली गई है।
  - अगले चरण के हिस्से के रूप में, **शेष पाँच ज़िलों के लिये DPR तैयार** कर सरकार को सौंपी जाएगी, जिससे पूरे राज्य में इस पहल का विस्तार सुनिश्चित होगा।

होम गार्ड

- **6 दिसंबर, 1946** को नागरिक अव्यवस्थाओं और सांप्रदायिक दंगों की उथल-पुथल अवधि के दौरान, **पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई** के नेतृत्व में, **पुलिस के सहायक के रूप में नागरिक स्वैच्छिक बल** के रूप में पहली **होम गार्ड यूनिट की कल्पना और स्थापना तत्कालीन बॉम्बे प्रेसीडेंसी** में की गई थी।
- वर्ष 1966 में भारत-चीन युद्ध के बाद इसे भारत में पुनर्गठित किया गया।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/transit-hostels-for-home-guards-in-uttarakhand